भारत सरकार/Government of India
परमाणु ऊर्जा विभाग/Department of Atomic Energy
भारी पानी बोर्ड/Heavy Water Board

वि.एस. भवन/V.S.Bhavan
अणुशक्तिनगर/Anushaktinagar
मुंबई/Mumbai - 400 094

हिंदी दिवस – 2024 का आयोजन - रिपोर्ट

परमाणु ऊर्जा विभाग की अणुशक्तिनगर स्थित पाँच इकाइयों अर्थात निर्माण, सेवा एवं संपदा प्रबंध निदेशालय, क्रय एवं भंडार निदेशालय, भारी पानी बोर्ड, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद, तथा विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड की संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति के तत्वावधान में दिनांक 20 सितम्बर, 2024 (शुक्रवार) को हिंदी दिवस समारोह 2024 एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया । मंचासीन अधिकारियों के रूप में भापाबो से अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी, श्री एस. सत्यकुमार, निसेसंप्रनि से निदेशक श्री के. महापात्रा, पऊनिप से कार्यकारी निदेशक श्री एस.बी. चाफले, क्रय एवं भंडार निदेशालय से निदेशक श्री वेद सिंह और ब्रिट से प्रबंधक एवं प्रतिनिधि श्रीमती नीतू कुर्रा उपस्थित थे । दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई ।

श्री भास्करानंद झा, उप निदेशक (राजभाषा), भापाबो ने मंचासीन सभी अतिथिगण एवं सभागृह में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनुराधा दोडके, उप निदेशक (राजभाषा), निसेसंप्रनि द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

इस अवसर पर अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग एवं सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग से प्राप्त संदेश का वाचन श्री धनेश परमार, सहायक निदेशक (राजभाषा), पऊनिप द्वारा किया गया।

अतिथि के रूप में मंचासीन कार्यालय प्रधानों ने अपनी-अपनी इकाई में हिंदी में किए जा रहे कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए राजभाषा के रूप में हिंदी के महत्त्व पर अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार में इस तरह के कार्यक्रम को आयोजित किए जाने के महत्त्व को बताते हुए उन्होंने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से उनके द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों को और अधिक बढ़ाने का अनुरोध किया।

मेजबानी व्याख्यान देते हुए श्री के. महापात्रा, निदेशक, निसेसंप्रनि ने हिंदी में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने परमाणु ऊर्जा विभाग को राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु राजभाषा विभाग द्वारा "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार" (प्रथम) दिए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि 'संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति के सदस्य कार्यालयों को भी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कार के लिए अपने उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शित करते हुए यथासंभव प्रयास करना चाहिए।

ब्रिट का प्रतिनिधित्व करते हुए श्रीमती नीतू कुर्रा ने ब्रिट की हिंदी गतिविधियों को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रशासन, लेखा, वैज्ञानिक तथा तकनीकि क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ ब्रिट के वेबसाइट पर भी हिंदी व्यापक प्रयोग का ध्यान रखा जा रहा है।

श्री वेद सिंह, निदेशक, क्रभनि ने अपने व्याख्यान में सरल हिंदी के प्रयोग पर जोर दिया तथा कहा कि कार्यालय में प्रयोग की भाषा क्लिष्ट नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सहज और सरल हिंदी का प्रयोग ही हमारा प्रयास होना चाहिए ताकि समझने में आसानी हो।

पऊनिप के कार्यकारी निदेशक श्री एस.बी. चाफले ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश में कई भाषाएँ हैं लेकिन संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का महत्त्व कुछ ज्यादा ही है। उन्होंने हिंदी की सहज संप्रेषणीयता पर बल देते हुए कहा कि कोई भी भाषा बड़ी या छोटी नहीं होती, हमें हर एक भाषा का सम्मान करना हैं।

श्री एस. सत्यकुमार, मुख्य कार्यकारी, भापाबो ने अपने व्यक्तव्य में बताया कि हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक भी है। हिंदी के संवैधानिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक सरकारी कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए हिंदी में काम करनेवालों को प्रोत्साहित करने की बात कही क्योंकि राजभाषा हिन्दी का प्रचार प्रसार सभी के सहयोग से ही संभव हो सकता है।

इस अवसर पर मंचासीन अधिकारियों के करकमलों से संयुक्त हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती विद्याश्री, सहायक निदेशक (राजभाषा), ब्रिट ने किया।

विशेष कार्यक्रम में "कवि सम्मेलन" का आयोजन किया गया।

श्री दिवाकर सिंह, उप निदेशक (राजभाषा), क्रभनि ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उक्त कार्यक्रम का संचालन मेजबान यूनिट निसेसंप्रनि की श्रीमती अनुराधा दोडके, उप निदेशक (राजभाषा) ने किया।

राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।